|  |
| --- |
| 28. Oktober  |
| **Fest Heiliger Simon und Heiliger Judas, Apostel** |
| Lesung: Eph 2,19-22; Eangelium.: Lk 6,12-19 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 546, 1-4 | Christus, du Licht vom wahren Licht |
|  | GL 542, 1+4 | Ihr Freunde Gottes allzugleich |
|  | GL 400, 1+2 | Ich lobe meinen Gott |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 163, 7 | Herr Jesus |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 701 | Lasst uns Gott, dem Herrn, lobsingen |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 19, 2-5 |  |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 35, 1 | Ein Tag sagt es jubelnd |
|  | GL 454 | Geht in alle Welt |
|  | oder Psalmenlied: |  |
|  | GL 381, 1+2 | Dein Lob, Herr, ruft der Himmel aus |
|  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 3 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Dich, Gott, loben wir, dich, Herr, preisen wir;* |
|  | *dich lobt der glorreiche Chor der Apostel.* |
|  |  |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 543, 1+2+4 | Wohl denen, die da wandeln |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 703 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 20$ | Christe, du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 487, 1-5 | Nun singe Lob |
|  | GL 380, 1+4 | Großer Gott |
|  | GL 209, 1-4 | Du teilst es aus |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 478, 3+5 | Die Kirche ist erbauet |
|  | GL 455, 1-3 | Alles meinem Gott zu Ehren |